ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekad ,Q@,xk@,xkeV-@25 fnukad **16.12.2025**
ftyk& chdkuj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह
अवधि 16 दिसम्बर 2025 से 20 दिसम्बर 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 23.8 से 25.6 °C एवं न्यूनतम तापमान 4.0 से 5.7 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 65 से 95% रही ।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5 दिनों के दौरान (16.12.2025 से 20.12.2025) को 16.12.2025 व 18.12.2025 को आंशिक बादल छाए रहने, 17.12.2025 व 19.12.2025 से 20.12.2025 तक स्वच्छ आकाश छाए रहने, न्यूनतम तापमान 09.0-12.0°C और अधिकतम तापमान 27.0-28.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दक्षिणी पूर्वी, दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी और दक्षिणी पश्चिमी दिशा से कम से मध्यम गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	16.12.2025	17.12.2025	18.12.2025	19.12.2025	20.12.2025
वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश
अधिकतम तापमान (° C)	**27**	**27**	**27**	**28**	**28**
न्यूनतम तापमान (° C)	**9**	**9**	**9**	**10**	**12**
वायु दिशा	दक्षिणी पूर्वी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**48**	**50**	**45**	**45**	**48**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**75**	**83**	**86**	**84**	**80**
औसत वायु गति (कि./घण्टा)	**6**	**7**	**5**	**7**	**7**
वर्षा (एम.एम.)	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
विशेष सलाह	बादलों के मौसम व तेज हवा गति के दौरान पत्तियों पर रसायनों का छिड़काव न करें। पानी की एक-एक बूँद बचाएँ। फसलों और बागों में कीटों और बीमारियों के संक्रमण का पता लगाने के लिए नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें।		
गेहूँ एवं जौ	शीर्ष जड फुटान अवस्था	उर्वरक एवं सिंचाई	शीर्ष जड फुटान अवस्था (बुआई के 20-25 दिन बाद) पर गेहूँ की फसल में 15 किलो यूरिया प्रति बीघा की दर से प्रथम सिंचाई के साथ छिड़काव करें। जौ की फसल में 15 किलो यूरिया प्रति बीघा की दर से प्रथम सिंचाई (बुआई के 25-30 दिन बाद) के साथ छिड़काव करें। गेहूं और जौ में खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए 500 ग्राम/हेक्टेयर (सक्रिय. तत्व.) 2,4-डी एस्टर नमक या 4 ग्राम/हेक्टेयर मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल (सक्रिय. तत्व.) को 500 लीटर पानी में 30-35 दिन के अंतराल पर डालें।
चना	वानस्पतिक वृद्धि	सिंचाई	पहली सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद करे ।
सरसों	वानस्पतिक वृद्धि	उर्वरक एवं सिंचाई	पहली सिंचाई सरसों मे बुवाई के 25 दिन बाद एवं बाकी बची यूरिया 25 किग्रा प्रति बीघा की दर से सिंचाई जल के टॉप ड्रेस करे।
		रोग	ब्लाइट/डाउनी फफूंदी को नियंत्रित करने के लिए 2 ग्राम मैंकोजेब या ज़िनेब प्रति लीटर पानी में डालें, सफेद रोली को नियंत्रित करने के लिए 2 ग्राम मेटालेक्सिल-एम को मैंकोज़ेब के साथ प्रति लीटर पानी में मिलाएँ।
उद्यानिकी		सिंचाई एवं छिड़काव	खजूर, किन्नू, संतरे और नींबू के बगीचों में नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। बेर में फल मक्खी के हमले को नियंत्रित करने के लिए बेर के फलों की मटर अवस्था में फेनवेलरेट/डाइमेथोएट @ 1 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें।
पशुधन		खाद्य प्रबंधन	पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ ।
		स्वास्थ्य प्रबंधन	पशुओं (बछड़े और गैर गर्भवती स्तनपान कराने वाली गायों) को एंडो परजीवियों के खिलाफ कृमिनाशक दवा दें। स्वास्थ्य बनाए रखने और दूध बुखार और प्रोलैप्स जैसी समस्याओं से बचने के लिए प्रत्येक दुधारू पशु को उसके शरीर के वजन के अनुसार 20 से 50 ग्राम खनिज मिश्रण खिलाएं। **गलघोंटू बिमारी के व्यापक प्रकोप को देखते हुए, घरेलू/ दुधारू पशुओं को गलघोंटू से गृषित आवारा पशुओं से दुर रखे। अलगाव के साथ स्वच्छता** व **बेहतर पोषण गलघोंटू प्रबंधन के लिए अच्छी नीति है।**

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा